बरेली, शुक्रवार
26 फरवरी, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

PAGE NO. 02 : LEFT TOP

आयोजन : एसआरएमएस के रिद्धिमा कैंपस में दो दिवसीय चित्रोत्सव के तहत फाल्गुन के रंग, जीवन के संग कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे से।

PAGE NO. 08 : MIDDLE

जानकारी देते ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति व रिद्धिमा की सेंटर हेड डा. कविता • जागरण

रिद्धिमा में वसंतोत्सव कल, कई घराने लेंगे भाग

जासं, बरेली: देश में लुप्त हो रही संस्कृतियों और परंपराओं को बढ़ावा देने का माध्यम है रिद्धिमा। यह एक ऐसा मंच शास्त्रीय संगीत से लेकर शास्त्रीय नृत्यों तक को सीखने और समझने का मौका मिलेगा। 'रिद्धिमा मंच एवं ललित कला केंद्र' का पहला आयोजन वसंतोत्सव के रूप में 27 फरवरी को होने जा रहा है। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले इस कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध घरानों के लोग शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि ऋतुओं के अनुसार मनाए जाने वाले त्योहारों और संस्कृति से लोगों को परिचित कराने के लिए रिद्धिमा में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिल्ली और लखनऊ की तरह बरेली के नाट्य प्रेमियों के लिए अगले माह मार्च से प्रत्येक शनिवार को ड्रामा का मंचन किया जाएगा। वहीं रिद्धिमा की सेंटर हैड डा. कविता अरोरा ने बताया कि वसंतोत्सव कार्यक्रम से पहले 26 फरवरी शुक्रवार से दो दिवसीय चित्रोत्सव का आयोजन भी किया गया है। चित्रोत्सव का विषय फाल्गुन के रंग जीवन के संग दिया गया है। इसमें 18 से 21 व 22 से 26 दो वर्ग के लोग भाग ले सकेंगे। इसमें प्रथम पुरस्कार 2500, द्वितीय 1500 और तृतीय पुरस्कार 1000 रुपये के रूप में होगा। चित्रोत्सव के लिए अब तक 50 से ज्यादा लोग अपना पंजीकरण करा चुके हैं। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति ने बताया कि रिद्धिमा में दुर्लभ वाद्य यंत्रों का म्यूजियम स्थापित किया जाएगा। जिसमें लुप्त हो चुके वाद्ययंत्र रखे जाएंगे।